

नियमावली

- 1-संस्था का नाम - रजा एजुकेशनल सोसायटी
- 2-संस्था का पता- निकट जामा मस्जिद देवभनिया जिला बरेली
- 3-संस्था का कार्यक्षेत्र- समस्त उत्तर प्रदेश
- 4-संस्था की सदस्यता एवं सदस्यों के वर्ग-इस संस्था की सदस्यता एवं उसका वर्गीकरण निम्नवत होगा संस्था के उद्देश्यों में भागस्था रखने वाले वे वालिग स्त्री पुरुष जो संस्था के नियमों से सहमत हों इस संस्था की सदस्यता प्राप्त करने के पात्र होंगे इस हेतु एक आवेदन पत्र प्रवन्धक को देना होगा इस आवेदन पत्र की स्वीकृति उपरान्त ही कोई व्यक्ति इस संस्था का सदस्य बन सकेगा ।

क- आजीवन सदस्य

ख- साधारण सदस्य

आजीवन सदस्य-इस संस्था को 5000-00 रूपया नकद अथवा इस मूल्य की चल अचल सम्पत्ति प्रदान करने वाले महानुभाव इस संस्था के आजीवन सदस्य कहलायेंगे

साधारण सदस्य-इस संस्था को 200-00 रूपया प्रतिवर्ष सदस्यता शुल्क प्रदान करने वाले सज्जन इस संस्था के साधारण सदस्य कहलायेंगे ।

5- सदस्यता की समाप्ति:- किसी सदस्य की सदस्यता समाप्त हो जायेगी

- 1-मृत्यु होने पर,
- 2-पागल होने पर
- 3-किसी व्यासक्तियोग से ग्रहित होने पर
- 4- दिवांगत हो जाने पर
- 5-त्याग पत्र स्वीकार हो जाने पर
- 6-वार्षिक शुल्क न देने पर
- 7-संस्था के उद्देश्यों के विरुद्ध कार्य करने पर
- 8- निरन्तर तीन बार बैठको में अनुपस्थित रहने पर
- 9-संस्था के नियमों के विपरीत कार्य करने पर ।
- 10-संस्था को नुकसान पहुंचाने पर ।

6-संस्था के अंग- संस्था के निम्नांकित दो प्रकार के अंग होंगे ।

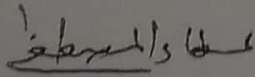
अ- साधारण सभा

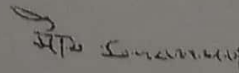
ब- प्रवन्धकारिणी सभिति

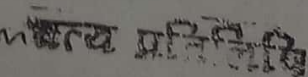
7-साधारण सभा का गठन बैठक कोरम सूचना अधि आदि -


गठन-इस नियमावली के पैरा-4 मे वर्णित समस्त सदस्यों को मिलाकर संस्था की साधारण सभा का गठन होगा ।

Sunain Khann





Hasnain Khann 


प्रधान सचिव
रजा एजुकेशनल एवं रिजर्व
सोसायटी बरेली (उ.प्र.)
13/9/2017

रिक्त स्थानों की पूर्ति - कार्यकाल की समाप्ति पूर्व प्रबन्धकारिणी समिति में होने वाले रिक्त स्थानों की पूर्ति साधारण सभा के अधिकाधिक द्वारा अपने सदस्यों में से शेष कार्यकाल के लिए 2/3 बहुमत के आधार पर करना भायेंगी ।

प्रबन्धकारिणी समिति के अधिकार एवं कर्तव्य -

- 1-संस्था का उचित रूप से प्रबन्ध करना ।
- 2-संस्था के उद्देश्यों की पूर्ति करना तथा उनमें संशोधन परिवर्तन की कार्यवाही करना
- 3-संस्था की साधारण सभा द्वारा लिये गये निर्णयों पर विचार करना तथा उनको क्रियान्वयन करना ।

कार्यकाल - प्रबन्धकारिणी समिति के कार्यकाल की अवधि 5 साल होगी

चुनाव प्रक्रिया-प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों का चयन साधारण सदस्यों द्वारा अपने सदस्यों में से किया जाएगा जिसमें एक प्रस्तावक व एक अनुमोदक का होना आवश्यक होगा । संस्था के चुनाव में वही सदस्य मत देने के अर्ह होंगे जो संस्था का निर्धारित सदस्यता शुल्क अदा कर विधिवत रसीद प्राप्त कर चुके हों और साधारण सभा के सदस्य बन गये हों ।

3-प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारियों के अधिकार एवं कर्तव्य--

अध्यक्ष :- संस्था की साधारण सभा व प्रबन्धकारिणी समिति को होने वाली समस्त बैठकों की अध्यक्षता करना, संस्था के कार्यों का निरीक्षण करना तथा अपने अमूल्य सहायता देना । संस्था की बैठकों में किसी समय किसी विषय पर समान मत होने की स्थिति में एक निष्पाद्यक मत देना ।

प्रबन्धक :- संस्था की बैठकों का संचालन करना आय व्यय की जांच करना उसकी जांच रिपोर्ट प्रबन्धकारिणी समिति में प्रस्तुत करना, संस्था की बैठकों की तिथि निर्धारित करना, संस्था की बैठकों का संचालन करना तथा बैठकों में लिए गये निर्णयों को क्रियान्वित करना संस्था के आय व्यय लेखा परीक्षण में सहायता, संस्था की ओर से समस्त इकरार नामा, ठेका नामा, किरायेनामा आदि दस्तावेजात पर हस्ताक्षर करना व उनको प्रमाणित करना, संस्था के कर्मचारियों को नियुक्ति पदोन्नति अवनति आदि करना । संस्था की ओर से समस्त प्रकार का पत्र व्यवहार करना तथा उसका रिकार्ड रखना । संस्था के पक्ष विपक्ष में होने अदालतों कार्यवाही की पैरवी करना तथा इस हेतु किसी सदस्य को नियुक्त करना । किसी सदस्य के दोषी पाये जाने पर उसकी सदस्यता समाप्त करना बैठकों का ऐजेण्डा तैयार करना तथा उसको सदस्यों तक पहुंचाने का प्रबन्ध करना ।

गौ. सुनील कुमार

Sunil Kumar

संस्था प्रतिक्रिया

Sunil Kumar

प्रधान सचिव
संस्था बोर्ड
दोषी बंदूक, पदेवी (संस्था)
13/11/2017

कोषाध्यक्ष-संस्था के खर्च के विल वाउचर आदि तैयार करना चन्दा वसूलना, आय व्यय जांच में सहायता करना आदि।

10-संस्था के नियमों विनियमों में संशोधन प्रक्रिया - संस्था के नियमों विनियमों में संशोधन प्रक्रिया साधारण सभा की विशेष बैठक में 3/5 बहुमत से पारित प्रस्ताव के आधार पर की जायेगी इस बैठक में सदस्यों की उपस्थिति 2/3 होना आवश्यक होगी

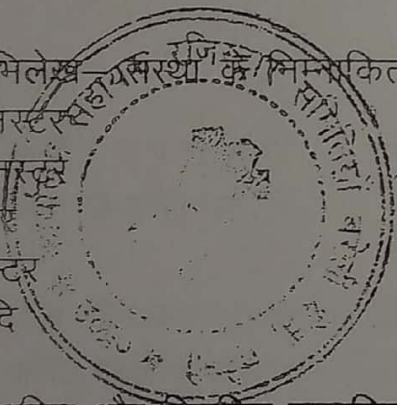
11-संस्था का कोष -संस्था के नाम से एक खाता किसी बैंक में खोला जायेगा इसका संचालन अध्यक्ष प्रबन्धक एवं कोषाध्यक्ष में से किन्ही दो के संयुक्त हस्ताक्षरों से किया जायेगा

12-संस्था के आय व्यय का लेखा परीक्षण-संस्था के आय व्यय का लेखा परीक्षण किसी योग्य आडिटर द्वारा हर साल कराया जायेगा तथा इसकी वार्षिक जांच आख्या प्रबन्धकारिणी समिति में प्रस्तुत की जायेगी

13-संस्था के द्वारा अथवा उसके विरुद्ध अदालती कार्यवाही के संचालन का उत्तरदायित्व -संस्था द्वारा अथवा उसके विरुद्ध होने वाली समस्त अदालती कार्यवाही की पैरवी संस्था के प्रबन्धक द्वारा की जायेगी ।

14-संस्था के अभिलेख-संस्था के निम्नलिखित अभिलेख होंगे।

- क-सदस्यता रजिस्टर
- ख-कार्यवाही रजिस्टर
- ग-स्टाक रजिस्टर
- घ-ऐजेण्डा रजिस्टर
- ड-कैश बुक आदि



15-संस्था के विघटित और विघटित सम्पत्ति के निस्तारण की कार्यवाही संस्था के विघटन और विघटित सम्पत्ति के निस्तारण की कार्यवाही सोसा0 रजि0 एक्ट की धारा 13 व 14 के अन्तर्गत की जायेगी ।

दिनांक 25-06-2015

सत्यप्रतिलिपि

Suman Khan

सत्य प्रतिलिपि

सत्य प्रतिलिपि
सत्य प्रतिलिपि
13/9/2017